KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 6

पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन

भाग - 3

Satyaveer Yadav

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

साझी परंतु अलग–अलग जिम्मेदारियां

पर्यावरण को लेकर रवैया

विकसित देश

- पर्यावरण के उसी रूप में चर्चा जिस रूप में पर्यावरण आज मौजूद है।
- पर्यावरण संरक्षण में हर देश की जिम्मेदारी बराबर

विकासशील देश

- विश्व में पारिस्थितिकी को नुकसान अधिकांशतया विकसित देशों के भौगोलिक विकास से
- विकसित देशों को इस नुकसान की भरपाई की ज्यादा जिम्मेदारी उठानी होगी।
- अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण कानून के निर्माण, प्रयोग और व्याख्या में विकासशील देशों की विशिष्ट जरूरतों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

1992 के पृथ्वी सम्मेलन में इस तर्क को मान लिया गया और इसे 'साक्षी परंतु अलग–अलग जिम्मेदारियों का सिद्धांत कहा गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- रियो घोषणापत्र में कहा गया कि टिकाऊ के अंतर्राष्ट्रीय प्रयास में विकसित देश अपनी खास जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं।
- जलवायु परिवर्तन से संबंधित संयुक्त राष्ट्रसंघ नियमाधार यानी यूनाइटैड नेशंस फ्रेमवर्क कंवेशन ऑन क्लाइमेंट चेंज (UNFCCC-1992) में भी कहा गया कि इस संधि को स्वीकार करने वाले देश अपनी क्षमता के अनुरूप, पर्यावरण के अपक्षय के हिस्सेदारी के आधार पर साझी परंतु अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाते हुए पर्यावरण की सुरक्षा के प्रयास करेंगे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

क्योटो प्रोटोकॉल

अन्तर्राष्ट्रीय समझौता

औद्योगिक देशों के लिए ग्रीन हाउस देशों के उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं।

1997
जापान के क्योटो में

कार्बन डाईऑक्साइड, मीथेन और हाइड्रो–फ्लोरो कार्बन जैसी कुछ गैसों के बारे में माना जाता है कि वैश्विक तापवृद्धि में इसकी कोई–न–कोई भूमिका जरूर है।

ग्लोबल वार्मिंग से विश्व का तापमान बढ़ता है।

यह घटना धरती के जीवन के लिए प्रलयंकारी है।

KOLORS
make life better

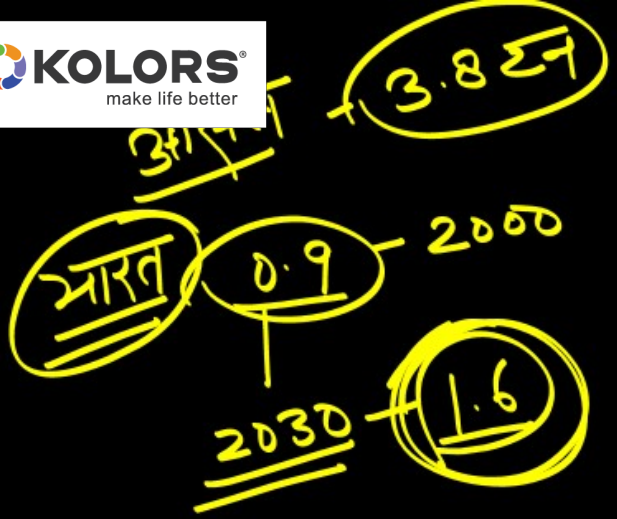
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

क्योटो- प्रोटोकॉल - भारत

- भारत ने 2002 में क्योटो - प्रोटाकॉल पर हस्ताक्षर किए।
- भारत, चीन और अन्य विकासशील देशों को क्योटो-प्रोटोकॉल की बाध्यताओं से छूट दी गयी।
- क्योंकि औद्योगीकरण के दौर में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में इनका कुछ खास योगदान नहीं था।

आलोचना : अन्य विकासशील देशों सहित भारत और चीन भी जल्दी ही ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के मामले में विकसित देशों की भांति अगली कतार में नजर आयेंगे।

KOLORS
make life better



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत का तर्क :-

- विकासशील देशों में ग्रीन हाउस गैसों की प्रति व्यक्ति उत्सर्जन दर विकसित देशों की तुलना में नाममात्र है।
- साझी परंतु अलग-अलग जिम्मेदारियों के सिद्धांत के अनुरूप भारत का विचार है कि उत्सर्जन दर में कमी करने की सबसे ज्यादा जिम्मेवारी विकसित देशों की है क्योंकि इन देशों ने एक लंबी अवधि तक बहुत ज्यादा उत्सर्जन किया है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- संयुक्त राष्ट्र संघ के जलवायु परिवर्तन बुनियादी नियमाचार के अंतर्गत चर्चा चली कि तेजी से औद्योगिक होते देश (जैसे ब्राजील, चीन और भारत) नियमाचार की बाध्यताओं का पालन करते हुए ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करें।

भारत का विरोध :-

- यह बात नियमाचार की मूल भावना के विरुद्ध। भारत में 2030 तक कार्बन का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन बढ़ने के बावजूद विश्व के आधे से भी कम होगा।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पर्यावरण से संबंधित भारत सरकार के विभिन्न कार्यक्रम :-

- नेशनल 'ऑटो फ्यूल पॉलिसी' के अंतर्गत वाहनों के लिए स्वच्छतर ईंधन अनिवार्य किया।
- 2001 में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम पारित हुआ।
- इसमें ऊर्जा के ज्यादा कारगर इस्तेमाल की पहलकदमी की गयी।
- 2003 के बिजली अधिनियम में Renewable ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया गया है।
- हाल में प्राकृतिक गैस के आयात और स्वच्छ कोयले के उपयोग पर आधारित प्रौद्योगिकी को अपनाने की तरफ रुझान बढ़ा है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- भारत ने 2 अक्टूबर 2016 को पेरिस जलवायु समझौते को अनुमोदित किया।
- पुनर्नवीकृत होने वाली ऊर्जा के सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक भारत में चल रहा है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पर्यावरण आंदोलन – एक या अनेक

में सबसे
जीवंत,
तापूर्ण
ाकतवर
ोलन

आंदोलन

दृष्टि

व्यैक्तिक और सामाजिक जीवन के लिए आगे के दिनों में क्या करना चाहिए?

उदाहरण

दक्षिणी देशों मसलन मैक्सिको, ब्राजील, मलेशिया, इंडोनेशिया और भारत के वन आंदोलनों पर बहुत दबाव है।

तीन दशकों से पर्यावरण को लेकर सक्रियता का दौर जारी है।

खनिज उद्योग – एक ताकतवर उद्योग

भूमि और जलमार्गों का प्रदूषण तथा स्थानीय वनस्पतियों का विनाश

फिलीपिन्स में एक आस्ट्रेलियाई कंपनी 'वेस्टर्न माइनिंग कारपोरेशन' के खिलाफ अभियान चलाया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

